



दोस्त की मासूम बहन की चुदाई- 2

“नंगी जवान लड़की की चुदाई का मजा मुझे मेरे जिगरी दोस्त की छोटी बहन ने दिया. मैंने उसे उसी दिन वासना की नजर से देखा और उसी दिन मुझे उसकी कुंवारी बुर भोगने को मिल गयी. ...”

Story By: महेश शर्मा 10 (maheshsharma10)

Posted: Sunday, June 11th, 2023

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [दोस्त की मासूम बहन की चुदाई- 2](#)

दोस्त की मासूम बहन की चुदाई- 2

नंगी जवान लड़की की चुदाई का मजा मुझे मेरे जिगरी दोस्त की छोटी बहन ने दिया. मैंने उसे उसी दिन वासना की नजर से देखा और उसी दिन मुझे उसकी कुंवारी बुर भोगने को मिल गयी.

कहानी के पहले भाग

दोस्त की कमसिन बहन की वासना

जगाई <https://www.antarvasna3.com/teen-girls/sexy-ladki-hindi-erotic-kahani/>

में अपने पढ़ा कि मेरे दोस्त की छोटी बहन ने पहले करके मेरे साथ सेक्स का मजा लिया.

अब आगे नंगी जवान लड़की की चुदाई का मजा :

इतना सुनकर उसने अपने दोनों पैरों को खोल दिया ।

अब मैंने लंड के सुपारे को उसकी बुर की सुरंग पर रखा और थोड़ा दबाया तो लंड के सुपारे ने अंदर जाने के लिए उसकी सुरंग पर दबाव बनाया.

तो नीलिमा कसमसाने लगी ।

मैं- नीलिमा, यह इतनी आसानी से नहीं घुसेगा, थोड़ी चीरफाड़ करके ही अंदर जाएगा ।

नीलिमा- नहीं बाबा, मुझे दुखाना नहीं ।

मैंने इधर उधर देखा तो उसकी मेकअप टेबल पर कुछ क्रीम और तेल की शीशी दिखी मैं उठ कर उसमें से वैसलीन की शीशी ले आया ।

नीलिमा- अरे बेवकूफ, वहाँ कोई वैसलीन लगाता है क्या ? इतनी सारी क्रीम पडी हैं, कोई

अच्छी स्किन क्रीम ला !

मुझे डव की क्रीम दिखी तो वह ले ली और आकर उसकी बुर के पास बैठ गया और क्रीम उसकी बुर के ऊपर और अंदर अच्छी तरह से लगाया ।

अब उसकी बुर मक्खन से भरी पाव रोटी लग रही थी ।

उसकी बुर को क्रीम लगाकर सहलाते हुए मैं अपनी उंगली धीरे धीरे उसकी सुरंग में घुसाने लगा ।

मुझे भी मजा आ रहा था और नीलिमा को भी ।

अब हम दोनों से ही रहा नहीं जा रहा था ।

नीलिमा का शरीर ऊपर नीचे होने लगा, मेरा भी लंड पूरी तरह से तैयार हो गया था ।

मैंने नीलिमा की आँखों में झांका तो वहां मुझे मौन सहमति दिखी ।

मैं उसके ऊपर चढ़ गया तो झट से नीलिमा ने अपना दाहिना हाथ नीचे लाकर मेरे लंड को पकड़ कर अपनी बुर की सुरंग पर सेट किया और फिर अपने दोनों हाथ मेरी कमर पर लाकर अपने दोनों हाथों से मेरी कमर को नीचे दबाया और उसी वक्त नीचे से अपनी गांड को झटके से ऊपर उठाया.

और उसी वक्त मैंने ऊपर से एक करारा झटका लगाया ।

क्रीम की वजह से बुर एकदम फिसलन वाली सुरंग बन गई थी और तीनों झटके एक साथ लगने की वजह से उसकी बुर तो फटी ही, मेरे लंड की चमडी भी फट गई और मेरा एक ही झटके में पूरा अंदर तो घुस गया पर अंदर जाकर मेरे लंड का सुपारा उसकी बुर में फंस गया ।

नीलिमा तो बेहोश हो गई थी और मेरे पसीने छूट रहे थे।
मैंने नीलिमा को आवाज दी पर नो रिप्लाई।

तब मैंने अपने लंड को बाहर निकालने की कोशिश की पर वह तो एकदम फंस चुका था।

इतने में नीलिमा कुनमुनाने लगी।
उसने अपनी कमर हिलाई तो दर्द से चीख पड़ी।

मैंने कहा- रुको नीलिमा, ये निकल नहीं रहा मैं किसी तरीके से निकाल रहा हूँ।
नीलिमा- राकेश, तुम पहले इसे बाहर निकालो, मुझे बहुत दुःख रहा है।

मैंने नारियल तेल की शीशी ली और उसकी बुर को प्यार से थोड़ा खोल कर तेल की 4-5
बुंद टपकाई और मेरी कमर को थोड़ा ऊपर उठाया तो नीलिमा को दर्द तो हुआ पर लंड भी
बाहर निकला थोड़ा सा!

मेरी जान में जान आई और नीलिमा ने भी राहत की साँस लेकर बोली- साले फेविकोल
लगाकर आया था क्या ?

मैंने कहा- साली, तेरी बुर बहुत टाईट है कभी उंगली भी नहीं डाली थी क्या!

नीलिमा- साले, मैं केवल सुबह नहाते वक्त बुर को अच्छी तरह से धोने के लिए टच करती
हूँ, तुम लोगों की तरह दिन भर लंड को टच नहीं करती।

मैंने जब नीलिमा की बुर की तरफ देखा तो थोड़ा डर गया क्योंकि नीलिमा की बुर की दोनों
पंखुडियां फट गई थी और बुर में खून ही खून था।

तभी मैंने झट से डव क्रीम निकाली और बुर पर लगा दी।

नीलिमा को बड़ी राहत मिली तो उसने उठ कर अपनी बुर की तरफ देखा और बोली- कुछ

ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, जैनब तो कहती थी कि पहली बार में बुर फट जाती है और बहुत खून निकलता है। तुम कितने अच्छे हो कितनी अच्छी तरह से अंदर घुसाया।

मैं मन ही मन बोला कि अगर वक्त पर डब क्रीम नहीं लगाता तो अब तक हंगामा शुरू हो जाता ; मेरा चुदाई के मूड का सत्यानाश हो जाता और मेरी रात का सत्यानाश हो जाता।

लेकिन असली परीक्षा तो अब थी मुझे फिर से उसकी बुर में लंड घुसाना था।

मैंने अपने लंड पर खूब सारा तेल लगाया, क्रीम उसकी बुर में लगायी और भगवान का नाम लेकर लंड उसकी बुर की सुरंग पर रखा।

नीलिमा से बात करते हुए मैंने उसकी बुर पर लंड से दबाव बनाया.

उसने कोई रिस्पांस नहीं दिया तो मैंने और दबाव बना कर एक प्यार से झटका मारा तो मेरा लंड फिर उसकी बुर को फाड़ते हुए आधा लंड अंदर घुस गया।

नीलिमा के चेहरे पर दर्द उठा पर उसने उसे पी लिया।

मैंने लंड को थोड़ा बाहर निकाला और फिर से जरा जोर से अंदर डाला.

और इस तरह मैंने नीलिमा की चुदाई करने लगा।

नीलिमा एक मिनट तो चुपचाप पडी रही और फिर नीचे से वह भी धक्का मार कर चुदने लगी।

डब क्रीम ने भरपूर साथ दिया और फिर मैंने एक बार लंड बाहर निकाला और तेल लगाकर फिर बुर में डाल कर चोदने लगा।

नीलिमा भरपूर मजा ले रही थी।

‘उसको बहुत मजा आ रहा है!’ ऐसा मैंने सोचा क्योंकि वह बहुत उछल उछल कर चिल्लाते हुए चुदने लगी।

बहुत ही जोश में आकर वह चुद रही थी.

उसका इस तरह चुदाना देखकर मुझे भी जोश आ रहा था।

मैं भी जोर जोर से उसे फटके मार रहा था पर नीलिमा का तो जोश जैसे ठंडा ही नहीं हो रहा था।

अचानक मेरी नजर घड़ी की ओर गई और मैंने देखा कि उसमें डेढ़ बज रहा था तो मैं कुछ सोचते हुए नीलिमा को एक बात बताई तो वह झट से तैयार हो गई।

फिर मैं बहुत ही जोर शोर से उसे चोदने लगा.

नीलिमा भी नीचे से भरपूर साथ दे रही थी।

फिर अचानक नीलिमा ने पोजीशन बदलने की बात की.

मैंने अपना लंड उसकी बुर से बाहर निकाला तो नीलिमा डोगी स्टाइल में आ गई।

उसकी नंगी नंगी गोल-गोल छोटे बच्चों के फुटबाल के आकार की सेक्सी गांड मेरी आँखों के सामने आ गई।

नीलिमा की गांड एकदम गोरी गोरी थी और उसकी गांड के जन्नत का रास्ता भी एकदम लाल था।

मेरा तो उसकी गांड मारने का मन हो रहा था.

पर कुछ सोच कर रुक गया कि अभी तो उसकी बुर का मजा लूटना है।

मैंने थोड़ा नीचे झुक कर उसकी बुर को देखा तो वह पहले से भी और फूली हुई एवं लाल हो गई थी।

तब मैंने और क्रीम उसकी बुर पर लगाई और नीलिमा से कहा- नीलिमा, अब मैं तुम्हारी बुर की सवारी करूंगा, क्या तुम तैयार हो चुदाने के लिए ?

नीलिमा ने अपना सिर हिलाकर स्वीकृति दे दी।

मैंने उसकी कमर के नीचे हाथ डालकर उसकी गांड को ऊपर उठाया और अपना दाहिना पैर उठाकर उसकी गांड पर रखा और बायें हाथ से अपने लंड को पकड़ कर उसकी बुर के मुंह पर सेट किया।

तब मैंने नीलिमा को तैयार होने के लिए बोलते हुए एक करारा झटका लगाया। और मेरा लंड नीलिमा की बुर को फिर से फाड़ता हुआ पूरा का पूरा नीलिमा की बुर में घुस गया।

नीलिमा की आँखें थोड़ी देर के लिए बड़ी हो गईं पर उसने खून का घूँट पी लिया, ऐसा मुझे लगा।

अबकी बार नीलिमा ने चुदाई का मजा लेना शुरू किया।

मैं पीछे से नीलिमा पर घुड़सवारी कर रहा था और नीलिमा मजा लेने के लिए चिल्लाने लगी- राकेश चोदो ... घचाघच चोदो. मेरी बुर को फाड़ दो. ले राकेश, तेरे दोस्त की बहन को चोद डाल ... चोद डाल तेरे दोस्त की गुड़िया को भरपूर चोद!

नीलिमा ने कहाँ से ऐसी चुदाई की बातें सीखी ... मुझे नहीं पता.

पर उसकी इस भाषा ने मेरे लंड को एकदम ताव में ला दिया।

मैं पीछे से डॉगी स्टाइल में उसे भरपूर चोद रहा था और नीलिमा भी मेरे लंड के रिदम के साथ अपनी गांड को पीछे धकेल रही थी।

जब हम दोनों का बदन आपस में टकराता था तो फच फच की सुरीली आवाज आ रही थी।

नीलिमा अचानक बोली- राकेश, चुदाई में इतना मजा आता है क्या ?

मैं बोला- जब दोनों खुशी से चुदाते हैं तो बहुत मजा आता है।

नीलिमा- पर हम दोनों तो खुशी से चुदा रहे हैं ना !

मैं- हाँ, तभी तो हमें इतना अच्छा मजा आ रहा है और नीलिमा, तुम बहुत अच्छा चुदाती हो. कहाँ से सीखा ।

नीलिमा- मैंने बताया तो सही तुम्हें, आजकल इंटरनेट पर सब मिलता है ।

मैं- तो तुम ब्ल्यू फिल्में देखती हो । साइट किसने बताई ?

नीलिमा- हम लडकियां भी आजकल स्मार्ट हो गई हैं. पर तुम लोगों की तरह हर वक्त हम चुदाई की बात नहीं करती हैं । तुम लोग तो जब भी कोई सुंदर लड़की देखते हो तो बस 'उसे कैसे चोदें' यही सोचते हो ।

नीलिमा की ऐसी बातें सुनकर मेरा लंड झटके पे झटके मार मार के चोदने लगा.

नीलिमा भी अपने दोनों हाथों को पीछे की ओर ले जा कर मेरी दोनों जाँघों को पीछे से पकड़ कर अपनी तरफ खींच खींच कर चुदाने लगी ।

अचानक से उसकी चाल तेज हो गई और मुझे भी महसूस होने लगा कि मेरा अब निकलने वाला है ।

नीलिमा के पैरों की कम्पन मुझे साफ साफ महसूस हो रही थी पर नीलिमा थी कि डटी रही, मेरे हर झटकों को सहन करती रही और फिर अचानक चीखने चिल्लाने लगी ।

उसकी चिल्लाहट इतनी बढ़ गई कि मुझे डर लगने लगा कि कहीं बगल के बेड रूम में बेहोश सुनील कहीं होश में न आ जाए.

पर अब तो मेरा भी मन करने लगा कि नीलिमा को जोर जोर से चोदते हुए जोर शोर से पानी निकाल दूँ ।

आज तक मैंने चार बार चुदाई की थी पर ऐसी धुंआधार चुदाई पहली बार की ।

नीलिमा की पहली चुदाई थी पर उसकी तारीफ करनी पड़ेगी ... ऐसे चुदाई कर रही थी जैसे कि इस खेल में मास्टर है।

अब नीलिमा का बदन ऐंठने लगा वह अपनी गर्दन घुमा कर मेरी ओर देखते हुए बोली- मजा आया न राकेश, मैं अब डिस्चार्ज हो रही हूँ।

यह कहते ही उसकी कमर पूरी तरह से मुड़ गई और उसके होंठ मेरे होंठों का किस करने लगे।

और उसकी बुर में से पच पच की कुछ ज्यादा ही आवाज आने लगी और तो और ... उसकी बुर में से उसका बुर रस भी टपकने लगा।

इतने में मेरे भी पेट में बल पड़ने लगे, मेरे धक्के चरम सीमा पर पहुंच गए.

नीचे से नीलिमा बड़ी जोर शोर से चिल्लाने लगी और फिर मेरे लंड ने उसकी बुर के अंदर इतनी जोर से पिचकारी मारी कि नीलिमा की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा।

आज पहली बार मैं इतनी जोर से डिस्चार्ज हुआ ऐसा लगा जैसे मेरे पेट में से पूरा पानी निकल गया।

नीलिमा अभी भी आगे पीछे होते हुए मुझे अपना पूरा पानी निकालने में मदद कर रही थी।

मुझमें अब जरा भी ताकत नहीं बची थी, आज की चुदाई ने मुझे पूरा थका दिया था. नंगी जवान लड़की की चुदाई का मजा लेने के बाद मैं नीलिमा के ऊपर ही गिर पड़ा।

नीलिमा भी हाँफ रही थी पर नीलिमा ने खुद को कंट्रोल किया और मेरे बालों में हाथ घुमाते हुए मुझसे पूछा- राकेश, बराबर चुदाई की ना मैंने ? कहीं से भी कोई कमी नहीं रहने दी ना ?

मेरे पास तो बोलने के लिए कोई शब्द ही नहीं थे क्योंकि एक तो मैंने मेरे दोस्त की बहन को चोदा था और दूसरे नीलिमा ने चुदाई के मामले में नौसिखिया होते हुए भी मुझसे बेहतर चुदाई की थी।

सच कहता हूँ कि ऐसी चुदाई तो किसी ने भी नहीं की होगी।

नीलिमा- अब तो शर्म नहीं करना, जब भी बुलाऊंगी तो तुरंत आ जाना मुझे चोदने के लिए। शादी होने तक तुमसे ही चुदाऊंगी।

मैं- यह तो मेरी खुशनसीबी है कि मुझे तुम जैसी लडकी की बुर चोदने मिली।

यह कहते हुए मैं उसके ऊपर से उठा।

मेरी नजर सामने ड्रेसिंग टेबल के आईने पर पड़ी तो मुझे मेरे लंड की दयनीय हालत देख कर रोना आ गया।

बेचारा चुदाई करते वक्त कितना कडक था और अब एकदम किसी गरीब की तरह मुरझाया हुआ था।

मैंने नीलिमा से कहा- चलो सुनील का हाल देखते हैं।

नीलिमा मुझसे चिपक कर चलने लगी।

उसके नुकीले उरोज मेरी पीठ पर चूभ रहे थे पर उस चुभन में एक अलग ही बात थी।

सुनील अभी तक बेसुध ही था जैसे उसे सुलाया था वैसे ही सो रहा था, करवट भी नहीं बदली थी।

मैंने फिर से नीलिमा को अपनी बाहों में दबोचा तो नीलिमा अपने आप को छुड़ा कर बोली- अभी नहीं राकेश, चलो थोड़ी देर आराम कर लेते हैं। सुबह होने से पहले एक राउंड और तुमसे चुदाऊंगी, यह वादा है।

तो दोस्तो, हम लोग थोड़ा आराम करते हैं.

तब तक आप लोग इस नंगी जवान लड़की की चुदाई को पढ़कर बताइएगा कि कहानी कैसी लगी।

maheshsharma1011@gmail.com

Other stories you may be interested in

शॉप पर आई हॉट सेक्सी भाभी की चुदाई

डेल्ही टीचर सेक्स कहानी में पढ़ें कि एक भाभी मेरे पास क्लास नोट के प्रिंट निकलवाने अक्सर आती थी. वे स्कूल टीचर थी. उनसे मेरी दोस्ती हो गयी और एक दिन मैंने भाभी टीचर को चोद दिया. मैं शिवा (बदला [...])

[Full Story >>>](#)

सगी बहन की चुदाई का जुगाड़ कैसे करूं

सिस सेक्स फंतासी या फैंटेसी मेरे दिल ओ दिमाग का फितूर है. किसी भी सूरत में मैं अपनी बहन की चूत मार कर अपना यह भूत उतार लेना चाहता हूँ. मैं क्या करूं? दोस्तो मेरा नाम राजा है, मैं इंदौर [...]

[Full Story >>>](#)

भाभी की चूत में लंड से पिचकारी मारी

Xxx होली सेक्स कहानी में मैंने राजस्थान की एक जवान भाभी की चूत मारी. वे हमारे पड़ोस में रहती थी. उनके पति के साथ मैंने बीयर पी. उसके बाद भाभी की चूत मुझे कैसे मिली? हाय दोस्तो, मैं अभिषेक अपनी [...]

[Full Story >>>](#)

मैं एक गैंगस्टर की रखैल बनकर चुद गई- 1

बैड वाइफ गुण्डा सेक्स कहानी में मैं मोहल्ले के एक गुण्डे से चुदाई करवाने के लिए बेचैन हो रही थी. वह मुझे पहले भी चोद चुका था और मुझे बहुत मजा आया था. यह कहानी सुनें. दोस्तो, मेरा नाम जीनी [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी मम्मी और ममेरे भाई की कामक्रीड़ा- 2

माँ Xxx हॉट हिंदी कहानी में मेरी मम्मी और ममेरे भाई की चुदाई की घटना बताई है. मैंने उन दोनों की चुदाई देखने के लिए घर में मोबाइल रिकॉर्डिंग लगाई पर मुझे लाइव चुदाई देखने को मिली! दोस्तो, मेरा नाम [...]

[Full Story >>>](#)

